Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 29 May 2018 00:46

: □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ : □□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□-□□□□ □□□□ □□ : □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□ :

□□□□□□ □□□□□□

□□□□ : जनि लोगों को क्षेत्रीय या ग्रामीण पत्रकारों की भाषा पर ऐतराज होता है, उनके लि□ □क हकीकत आपके सामने है□ इस हकीकत से साबति होता है कि राजधानी में सत्□ता की दलाली के चक्□कर में धमाचौकड़ी मचाने वाले पत्रकारों की असलयित क्□या होती है□ खुद को राज्□य मुख्□यालय पर मान्□यताप्राप्□त पत्रकार का बल्लि□ला चपिकाये लोगों ने □क वरषि्□ठ पत्रकार के प्रत जिसि तरह की संवेदनहीनता का प्रदर्शन कयिा है, वह घटयिा तो है ही, साथ ही भाषा की ऐसी की तैसी करते हु□ उनके पत्रकारीय दावों की छुच्□छी भी नकिाल कर फेंक दे रहा है□

मामला है □क पत्रकार संजोग वॉल्□टर का□ संजोग उप्र राज्□य मुख्□यालय पत्रकार समतिि के कार्यकारणी सदस्□य हैं□ संजोग पछिले कई बरसों से मुख कैंसर से पीड़ति हैं□ दो साल पहले उनका □क बड़ा ऑपरेशन दल्लि□ली में हुआ था, जसिमें उनके जबड़े का □क बड़ा हस्सि□सा काट कर फेंक दयिा गया था□ उसके बाद □क अन्□य ऑपरेशन की सलाह डॉक्□टरों ने की थी, मगर उसमें आने वाले खर्च का वहन कर पाने में असमर्थ संजोग ने सरकार से अर्जी लगायी थी और मुख्□यमंत्री सहायता कोष से तकरीबन चार लाख रूपयों की रकम जारी करने का अनुरोध कयिा था□ हाल ही संजोग को सरकार की ओर से इस इलाज के फीसदी हस्सि□से का भुगतान मलि गया था□ लेकनि इसके बीच अचानक समतिि के अध्□यक्ष हेमंत तवािरी के □क चेले ने हेमंत को मक्□खन-पॉलशि के लि□ □क कमेंट कुछ वाट्सऐप समूहों में प्रचारति-प्रसारति कर दयिा, जसिकी भाषा और अभविय्□यक्ति की शैली नहिायत गंवारू, अभद्र, घटयिा और संवेदनहीन और अपमानजनक भी थी□ इस पर बेहद शालीनता के साथ संजोग ने □क पोस्□ट अपनी फेसबुक वाल पर की है, जसि पर अब ऐसे कमेंट करने वाले पत्रकार की थूथू हो रही है□

यह पोस्□ट डाली है □क शाश्□वत नामक पत्रकार ने, जो हेमंत तवािरी के खेमे का खासमखास माना जाता है□ इस पत्रकार ने लखिा कि:- "हेमंत जी को बहुत बधाई□ उनके सफल प्रयासों से संजोग वॉल्□टर को 196000 रूपयों की □क बड़ी रकम इलाज के लि□ मलिी गयी है□ (सभी जानते हैं कि संजोग काफी समय से माउथ कैंसर से जूझ रहा है□ वह लम्□बे समय से पैसे के लि□ इधर-उधर भटक रहा था□ "

जाहरि है कि इस अपमानजनक भाषा-शैली से संजोग का काफी दुख हुआ, लेकनि इसके बावजूद संजोग वाल्□टर ने बेहद संयमति तरीके से अपना रोष व्□यक्□त कयिा□ संजोग ने लखिा था कि:- "भाई अध्यक्ष जी को 24 मई को ही धन्यवाद् दे दयिा □ पर यह भाषा उचति नहीं है हम लोग अपने नौकरों से भी इस शब्दवाली का प्रयोग नहीं करते हैं."भटक रहा था"वक्त सबका □क सा नहीं रहता है□ भाषा पर ध्यान दें□ इस कार्य के मठिाई नहीं बाटी जा सकती

तेलू -चिंटू ने उस्तरा लेकर "आका" की नाक काट डाली

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 29 May 2018 00:46

है। बुरे वक्त में सरकार के सहयोग की सराहना की जा सकती है। लेकिन धन राशि मेरे इलाज के लिए नहीं थी। यह राशि बहुत बड़ी नहीं 50 फीसदी है। रातों के राजा के लिए यह शब्दवाली ठीक नहीं है। अच्छा बुरा वक्त सबके साथ होता है। "

पत्रकारिता से जुड़ी खबरों को देखने के लिए निम्न लिंक पर क्लिक कीजिए :-

2 / 6

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 29 May 2018 00:46

□□□□□□□ □□□□□□□□□□

Ajay Kumar Maurya : Din aur samay ek se ni rhte hain

Rajesh Singh : संजोग भाई आपने बलि्कुल सही क्हा□ रात केबाद सुबह होती है

Shafaeen Quraishi Shafaeen : Kuch log pade likhe jahil hote hai...

Obaid Nasir : अपना जर्□ दखिा रहे है

Tauqeer Siddiqui : sanjog bhai agar aapko koi madad mili hai to jayaz mili hai. baqi baton pr dhyan mat deejiye. dunia mein har tarah ke log hote hain.

Sheebu Nigam : सही क्हा बलि्कुल गलत है

Shabahat Vijeta : संजोग भाई, दलि पर मत लें, जब अच्छा वक्त नहीं रहता तो बुरा भी नहीं रहेगा. इस बीमारी में आपने बहुत तक्लीफसही है. अल्लाह आपको फरि पहले वाला बदिास संजोग वाल्टर बना दे.

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 29 May 2018 00:46

Muhammad Parwaan Ansari : Agree with you Sanjog bhai.....

Tauqeer Siddiqui : sanjog bhai tum to hamesha raton ke raja raje ho, 25 saal se to main hi jaanta hoon. waise shabd achchhe hon to buri baat bhi buri nahin lagti, par shabdon ke chayan kala sabko nahin aati.

Naved Naqvi : बीमारी और गरीबी व□्त देख कर नही आती

Rizwan Khan : कमीने पन की भाषा , घमण्ड इंसान के अंदर है अल्लाह न करे इसको कभी कुछ हो , बस वर्ना ये तो कहीं का नही रहेगा□ अखलिश चन्द्रा शब्दों का चयन उनकी पत्रकारिता का स्तर दिखा रहा है मत्रि.... अन्यथा न लें और कार्य पर ध्यान दे

Ikrar Husain : आप पत्रकार कह रहे हैं मुझे तो पत्रकार के रूप में दलाल प्रतीत होता है यह शख्स इसकी भाषा शैली का अध्यन करने के बाद□

Neena Alini : yeh to sansakar hai jo ma bap daetae hai jaisa sikha waisa hi to bolega

Neeraj Mishra : निम्न स्तरीय भाषा

□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□

Journalist Ajay Srivastava Ajeya : दोस्तों..सभी को अपने से वरिष्ठों और ब□ों का सम्मान करना चाहि□ □ दर्द संजोग जी का केवल इतना है जो ला□मी है□ वो हर हाल में मलिना ही चाहि□

Ashish K Yadav : सही कहा बलि्कुल गलत है जर□ दिखा रहे हैं□

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 29 May 2018 00:46

Saira Banu : Ghatiya soach

Zishan Haider Rizvi : अत्यन्त नन्दिनीय

Ahmad Jafar : Sahi kaha Sanjog Walter bhai. Kabhi ke din bade kabhi ki raatain

R.S. Sharma : ye bhasa ghatia mansikta ka prateek hai.

Afroz Agha : Kya saashwat bhi ab journalist ho Gaya ?

Nayi Pehchaan : Afsos ke jo log dusro ko Rasta batate hain unko bhatka hua kon kah sakta haie sanjog Bhaie ap ne Accha kea jo bhatke hue ko Rasta Bata diea

Kumar Sauvir : इसमें बुरा क्या है संजोग जी? बुरा मत मानि□ □ राजा-महाराजों के इशारे पर जीने-सोचने-बोलने वाले लोग हमेशा अशिष्ट ही होते है□ कोसना हो तो रगि-मास्टर को तलब कीजयि न□ सरेआम□

Kumar Sauvir : वैसे इस सहायता का श्रेय किसि को जाता है□ अध्यक्ष अथवा आपके प्रयास को?

और जहां तक मेरी जानकारी है कि इस बारे में असल अर्जी तो आपने खुद ही सरकार को भेजी थी

Touqir Qidwai : कुछ लोग □ मीन पर अमृत पीकर आये है ना वो बीमार होंगे और न ही,,,

Sanjay Azad : गुस्ता□ी माफ करें इसके पहले अध्यक्ष कौन थे ??????????? संजोग भईया ये आप के अथक प्रयासों का ही नतीजा है□ □ क बात कहना चाहूंगा वो ये कि जब देना ही था तो मेरे हिसाब से 100% देकर खत्म कर देते □

तेलू -चिंटू ने उस्तरा लेकर "आका " की नाक काट डाली

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 29 May 2018 00:46

Amir Ali जिसकी जैसी सोंच थी, उसने उतना जाना मुझे।।।

बुरा वक्त देख कर नहीं आता मियाँ, वक्त ही मारता है ज़ालिम के मुँह पर सन्नाटे दार थप्पड़

6 / 6